WORLD EARTH DAY (22-APRIL)

पृथ्वी दिवस-2025 का थीम

हर साल पृथ्वी दिवस 22 अप्रैल को मनाया जाता है। भारत समेत लगभग 195 से ज्यादा देश पृथ्वी दिवस मनाते हैं। इस साल विश्व पृथ्वी दिवस साल 2025 में पृथ्वी दिवस "हमारी शक्ति, हमारा ग्रह (Our Power, Our Planet) "थीम के साथ मनाया जाएगा। यह थीम रिन्यूबल एनर्जी की ओर ग्लोबल बदलाव लाने और क्लाइमेट चेंज से मुकाबला करने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर देती है। इस वर्ष का मुख्य लक्ष्य 2030 तक वैश्विक स्तर पर स्वच्छ बिजली उत्पादन को तीन गुना करना है।

पृथ्वी :हमारा अपना ग्रह

पृथ्वी एकमात्र ऐसा गृह है, जहां जीवन संभव है। ये हमारे जीवन का आधार हैं। पृथ्वी पर वायु, जल, मिट्टी, सूर्य का प्रकाश और अनुकूल तापमान समेत जीवन जीने के लिए सभी जरूरी प्राकृतिक संसाधन उपलब्ध हैं। पृथ्वी केवल इंसानों के लिए नहीं, बल्कि सभी जीवों के लिए जीवनदायिनी है। हालांकि वक्त के साथ सभी जरूरी प्राकृतिक संसाधनों का दोहन इतना ज्यादा हो रहा है कि एक ऐसा वक्त भी आ सकता है जब सभी संसाधन खत्म हो सकते हैं।

क्या आपको पता है कि पृथ्वी दिवस को मनाने की शुरुआत किसने की और कब व क्यों की? हम जिस ग्रह पर रहते हैं उसे अर्थ नाम किसने और क्यों दिया? विश्व पृथ्वी दिवस के मौके पर इस दिन के इतिहास, महत्व और जरूरी बातों के बारे में जानिए।

पृथ्वी दिवस का इतिहास

- धरती के संरक्षण से जुड़े इस दिवस को मनाने की शुरुआत 1970 में हुई थी। सबसे पहले अमेरिकी सीनेटर गेलॉर्ड नेल्सन ने पर्यावरण की शिक्षा के तौर पर इस दिन की शुरुआत की। एक साल पहले 1969 में कैलिफोर्निया के सांता बारबरा में तेल रिसाव की वजह से त्रासदी हो गई। इस हादसे में कई लोग आहत हुए और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में काम करने का फैसला लिया गया। इसके बाद नेल्सन के आह्वान पर 22 अप्रैल को लगभग दो करोड़ अमेरिकियों ने पृथ्वी दिवस पहली बार मनाया।
- पृथ्वी या अर्थ शब्द को सबसे पहले जूलियन कोनिग दुनिया के सामने लाए थे। उनका जन्मदिन 22 अप्रैल को होता था। इसलिए पर्यावरण संरक्षण से जुड़े आंदोलन की शुरुआत 22 अप्रैल को अपने जन्मदिन के दिन करते हुए उन्हें इसे अर्थ डे नाम दिया। कोनिग का मानना था कि अर्थ डे और बर्थडे एक अच्छा ताल मिलाता है।

"22-April"

World Earth Day

Theme-2025

"Our Power, Our Planet"